



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 6, 1986/पौष 16, 1907

No. 1]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 6, 1986/PAUSA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संघीय महायुक्त आयकर अधिनियम (निराकरण) अर्जेंट रोजे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व [I] के अधीन सूचना

निदेश नं०/पे. पी. न. 5911

जालन्धर, 10 दिसम्बर, 1985

यतः मुझे जे. एल. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रुपए से अधिक है और जिसका स. (जैसा अनुसूची में लिखा है)... है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री जतिन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री एम. प्रार. गुप्ता, 435, गुरु तेग बहादुर नगर, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी : मे सरूप टैन्निज प्राइवेट लि. द्वारा श्री परमजीत सिंह बाबा, मैनिजिंग डायरेक्टर, 435, गुरु तेग बहादुर नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

*3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं. 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

*4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्थों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 29 दिनांक अप्रैल 85 की रजिस्ट्रार कर्ता आधिकारिक आलम्बर में लिखा।

तार.ख. 10-12-85

साह्र :

*(जो लागू न हो उसे काट दिया)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. A.P. No. 5911

Jalandhar, the 10th December, 1985

Whereas, I, J.L. Girdhar, being the the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 Lakh and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1985 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Jatinder Kumar Gupta S/o Shri M. R. Gupta r/o 435, Guru Tegh Bahadur Nagar, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shri M/s. Sarup Tanneries Pvt. Ltd. through Sh. Parmjit Singh Bawa, Mg. Director r/o 435, Guru Tegh Bahadur Nagar, Jalandhar. (Transferee)

*(3) Shri/Shrimati/Kumari as s.no.2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Shri/Shri/Kumari Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 435 situated at Guru Tegh Bahadur Nagar, Jalandhar alongwith Air Cooling Equipment and persons as mentioned in the registered sale deed No. 29 of April, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

Date : 10-12-1985.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

निदेश नं./ऐ. पी. नं 5312

यतः मुझे जे. एल. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 100000/— रुपए से अधिक है और जिसका सं. (जैसा अनुसूची में लिखा है) है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और आन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शम सुन्दर चोपड़ा पुत्र गिरधारी लाल वासी ई. के. 90, मोहल्ला शिवराज गढ़, जालंधर (अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह मान पुत्र रजिन्द्र सिंह और श्रीमती प्रीतम कौर विधवा रजिन्द्र सिंह, वासी 551, मोता सिंह नगर, जालंधर (अन्तरिती)

*3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं. 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि निदेश नं. 134 दिनांक अप्रैल, 85 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा।

तारीख 10-12-85

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. A.P. No. 5912

Whereas, I, J.L. Girdhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 Lakh and bearing No. . . . as per schedule situated at Jalandhar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1985 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Sham Sunder Chopra S/o Girdhari Lal r/o EK-90, Mohalla Shiv Raj Garh, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Madaan s/o Rajinder Singh and Smt. Pritam Kaur Wd/o Sh. Rajinder Singh r/o 551, Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transferee)

* (3) Shri/Shrimati/Kumari as S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).

* (4) Shri/Shrimati/Kumari any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 282 situated in 'Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 134 of April, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

Date : 10-12-1985.

Seal :

*(Strike off where not applicable).

निदेश नं./ऐ. पी. नं. 5916

जालन्धर, 17 दिसम्बर, 1985

यतः मुझे जे. एल. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रुपए से अधिक है और जिसका सं. (जैसा अनुसूची में लिखा है).... है तथा जो रामपुराफूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुराफूल में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मिट्ठा रामपुल श्री राम चन्द, वासी मण्डी राम पुराफूल ।
(अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी मैं. अग्रवाल गिनिग मिल्ज, मण्डी रामपुराफूल ।
(अन्तरिती)
- *3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं. 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में हित रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फार्म 37-ई. ई. दिनांक 4-4-85 में दिए गए और जो कि सक्षम अधिकारी जालन्धर द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ए. बी. (2) का अधीन प्रयोजित है।

तारीख 17-12-1985

जे. एल. गिरधर.

बोर्ड :

सक्षम अधिकार, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

*(जो लागू न हो उसे काट दिजिए)।

Ref. No./A.P. No. 5916

Jalandhar, the 17th December, 1985

Whereas, I, J. L. Girdhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No....as per schedule situated at Rampuraphu 1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampuraphul on April, 1985 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent

of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt Middle Dam S/o Shri Ram Chand, R/o Mandi Rampurahul. (Transferor)
- (2) Shri/Shrimati/Kumari M/s. Aggarwal Ginning Mills, Mandi Rampurahul. (Transferee)
- * (3) Shri/Shrimati/Kumari As per Sr. 2 above. (Person in occupation of the property)
- * (4) Shri/Shrimati/Kumari any other person interested in the property (Person whom

the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in Form 37-EE dated 4-4-1985 registered with the Competent authority, Jalandhar under section 269AB(2) of the Income tax Act, 1961.

Date : 17-12-1985

Seal :

*(Strike off where not applicable)

J. L. GIRDHAR, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

